पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित:01.12.2020 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9971467978 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-37 अंक-13 मार्गशीर्ष-2076 दयानन्दाब्द 197 01 दिसम्बर से 15 दिसम्बर 2020 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 01.12.2020, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

मुंबई हमले की 12 वी वर्षगांठ पर दी श्रद्धांजलि

आंतकवाद का जड़ से सफाया अत्यंत आवश्यक –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

योग और प्राणायाम जीवन शक्ति के स्रोत्र –योगाचार्य सेवक जगवानी

गुरुवार 26 नवम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में मुम्बई आंतकवादी हमले की 12 वी तिथि पर मृतकों व पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही योगाचार्य सेवक जगवानी का कोरोना में योग का महत्व विषय पर उदबोधन हुआ। कार्यक्रम ऑनलाइन गूगल मीट पर आयोजित किया गया। यह कॅरोना काल मे परिषद का 125 वां वेबिनार था। उल्लेखनीय हैं कि 26 नवम्बर 2008 को मुम्बई में 10 जगह आंतकवादी हमला हुआ था जिसमें 166 लोग मारे गए थे और 600 से अधिक घायल हुए थे । मुख्य अभियुक्त कसाब को बाद में फांसी दी गई। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आंतकवाद का जड़ से सफाया अत्यंत आवश्यक है, जो सोच –विचारधारा अच्छे भले पढ़े लिखे व्यक्ति को ह्रदय परिवर्तन कर आंतकवादी बना सकती है उस सोच पर प्रहार करना समय की मांग है । आज पूरा विश्व व मानवता उस सोच से प्रताड़ित हो रही है। मुम्बई आंतकवादी हमले ने पूरी मानवता को शर्मसार कर दिया जिसकी गूंज दुनिया के कोने कोने में सुनाई दी , उन बेकसूर लोगो के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते है साथ ही जो पुलिस अधिकारी कर्त्तव्य की बलिवेदी पर कुर्बान हो गए उनको भी शत शत नमन करते हैं। योगाचार्य सेवक जगवानी ने योग के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि कोरोना ने विश्व के करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है । वही भारत की स्थिति अन्य देशों की तुलना में ठीक है। दो गज दूरी ,योग व प्राकृतिक उपायों से देश कोरोना को भारत मे भयानक स्थिति में जाने से रोक सका है। माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने योग को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई।योग अनंत आनंद को प्राप्त करने का साधन है।उन्होंने बताया कि कोरोना फेफड़ों की बीमारी है इसलिए हमे फेफड़ों का अधिक ध्यान रखना है, प्राणायाम करने से ब्लॉकेज नही होगी और रोगप्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ेगी। पहला सुख निरोगी काया बताते हुए उन्होंने कुछ सूक्ष्म व्यायाम, हस्त मुद्रा आदि का प्रशिक्षण दिया।साथ हीं उन्होंने बताया कि चौरासी लाख योनियों में केवल मनुष्य ही है जिसे हंसने का कौशल है किंतु मनुष्य ही सबसे ज्यादा रोता है।चिंता को त्याग कर योग को अपना कर जीवन को सुखमय बनाया जा सकता है। कार्यक्रम अध्यक्ष सी ए राजीव पुरी(कांगड़ा) ने शाकाहार के प्रति लोगों को जागरूक किया।उन्होंने कहा कि शाकाहार मनुष्य का भोजन है और वेदों में भी इसका वर्णन भी मिलता है। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि योग के माध्यम से शरीर मे स्फूर्ति व ऊर्जा बनी रहती है।सूर्य नमस्कार को प्रतिदिन करना चाहिए। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि साध्य, साधक व साधन का एकीकरण हीं योग है।

मानव जीवन में पंचकोष पर गोष्ठी सम्पन्न

मानव जीवन पंचकोष पर आधारित है –आचार्य चंद्रशेखर शर्मा (ग्वालियर)

श्री गुरुतेग बहादुर का बलिदान युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार 23 नवम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में श्मानव जीवन मे पंचकोष पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट पर किया गया। यह परिषद का कॅरोना काल में 124 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य चंद्रशेखर शर्मा ने कहा कि योग की धारणा के अनुसार मानव जीवन का अस्तित्व पाँच भागों में बंटा है जिन्हें पंचकोश कहते हैं। विभिन्न कोशों में चेतन, अवचेतन तथा अचेतन मन की अनुभूति होती है। प्रत्येक कोश का एक दूसरे से घनिष्ठ सम्बन्ध होता है। वे एक दूसरे को प्रभावित करती है और होती हैं।अन्नमय कोश – अन्न तथा भोजन से निर्मित।शरीर अन्नरसमय कहलाता हैं। इसीलिए वैदिक ऋषियों ने अन्न को ब्रह्म कहा है।प्राणमय कोश – प्राणों से बना। स्वास लेने से हमारे अन्नमय कोश से जो स्पंदन बाहर तरफ जाता है उससे हमारे चारों तरफ तरंगों का क्रम बन जाता है, यही हमारा प्राणमय कोश होता है।मनोमय कोश – मन से बना। हम जो देखते, सुनते हैं अर्थात हमारी इन्द्रियों द्वारा जब कोई सन्देश हमारे मस्तिष्क में जाता है तो उसके अनुसार वहाँ सूचना एकत्रित हो जाती है, और मस्तिष्क से हमारी भावनाओं के अनुसार रसायनों का श्राव होता है जिससे हमारे विचार बनते हैं।विज्ञानमय कोश – अन्तर्ज्ञान या सहज ज्ञान से बना।आनंदमय कोश – आनन्दानुभूति से बना।इस प्रकार योग व उपनिषदों के माध्यम से हम पंचकोशों के बारे में जान सकते हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने गुरु तेगबहादुर जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपने रक्त से इतिहास लिखा है । सदियों तक उनका बलिदान समाज का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा । उन्होंने हिन्दू जाति की रक्षा की मुस्लिम हमलावरों का बहादुरी से मुकाबला किया उनके ऋण से हिन्दू जाति कभी उऋण नहीं हो सकती । आज उनके बलिदान दिवस पर हमें हिन्दू समाज को संगठित करने व आतातायियो का मुकाबला करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम अध्यक्ष आर्य नेता सतीश आर्य ने कहा कि निरंतर अनेकों वेबिनरों के माध्यम से परिषद ने लोगों का ज्ञानवर्धन किया है और साथ हीं अनेकों गायक कलाकारों, विद्धवानों, डॉक्टरों, योगाचार्यों, आयुर्वेदाचार्यों के माध्यम से ज्ञान की वर्षा की इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन्हें याद किया। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया और साथ हीं इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक जुड़ने के लिए प्रेरित किया। गायक रविन्द्र गुप्ता,रजनी गोयल,प्रतिभा सपरा,राजश्री यादव,संध्या पांडेय,दीप्ति सपरा आदि ने मधुर गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य रुप से हरभजन सिंह देयोल,आचार्य महेन्द्र भाई,डॉ गजराज आर्य, संतोष शास्त्री,प्रेमलता सरीन,अनिल सेठी,उर्मिला आर्या,आनन्द सूरी,विजेन्द्र गर्ग, देवेन्द्र गुप्ता आदि उपस्थित थे।

92 वी पुण्य तिथि पर लाला लाजपत राय को दी श्रद्धांजलि

शरद ऋतु शक्ति संचय करने का समय है –डॉ सुषमा आर्या (आयुर्वेदाचार्या,NDDY)

लाला लाजपतराय के बलिदान ने युवा क्रांति को जन्म दिया –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार, 17 नवम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में शरद ऋतु में आयुर्वेद के वरदान विषय व साथ ही 92 वी पंजाब केसरी लाला लाजपतराय पुण्यतिथि, हिन्दू शेर अशोक सिंघल, बाला साहेब ठाकरे को श्रद्धांजलि अर्पित की गई । यह ऑनलाइन गोष्ठी गूगल मीट पर आयोजित की गई । यह परिषद का कॅरोना काल में 121वां वेबिनार था। आयुर्वेदाचार्य डॉ सुषमा आर्या कहा कि शरद ऋतु का आगमन स्वास्थ्य के लिए वरदान है । शीत ऋतु में खाने में मीठा,तला हुआ,भिन्न भिन्न प्रकार के लड्डू, गजक, रेवड़ी जैसी चीजें हमारे खाने का हिस्सा हो जाते है,जिससे हमारा वजन बढ़ने लगता है। अपने आप को फिट रखने के लिए घरेलू उपायो का प्रयोग करना चाहिए। खाली पेट चाय किसी भी स्थिति में नहीं पीनी चाहिए । शरीर को गर्म रखने के लिए अनेक उपाय है ,लहसुन को पका कर प्रातः 2–3 कलियों का सेवन करें।काली मिर्च गिलोय, तुलसी, शहद को बराबर मात्रा में लेकर काढ़ा का सेवन करें।सेब के सिरके का सेवन आदि करे व प्रातः काल मास्क लगाकर घूमने अवश्य जाएं। छोटी छोटी बातों का ध्यान रखने से शरद ऋतु को वरदान बनाया जा सकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि लाला लाजपतराय का जन्म पंजाब के मोगा जिले में हुआ था। इन्होंने सबसे पहले भारत में पूर्ण स्वतन्त्रता की माँग की थी बाद में समूचा देश इनके साथ हो गया। इन्होंने स्वामी दयानन्द सरस्वती के साथ मिलकर आर्य समाज को पंजाब में लोकप्रिय बनाया।लाला जी कहते थे कि आर्य समाज मेरी माता और वैदिक धर्म मेरे पिता है। लाला जी ने महात्मा हंसराज जी के साथ दयानन्द एंग्लो वैदिक विद्यालयों का प्रचार प्रसार किया, लोग जिन्हें आजकल डीएवी स्कूल्स व कालेज के नाम से जानते है ।लाला जी ने अनेक स्थानों पर अकाल में शिविर लगाकर लोगों की सेवा भी की थी। 30 अक्टूबर 1928 को इन्होंने लाहौर में साइमन कमीशन के विरुद्ध आयोजित एक विशाल प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जिसके दौरान हुए लाठी–चार्ज में ये बुरी तरह से घायल हो गये। उस समय इन्होंने कहा था ष्मेरे शरीर पर पड़ी एक–एक लाठी ब्रिटिश सरकार के ताबूत में एक–एक कील का काम करेगी।ष्और यही सिद्ध भी हुआ। वे कुशल नेता,लेखक,वक्ता व जननायक थे।युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। लाला लाजपतराय जी के बलिदान से युवाओं में एक नया जोश आ गया और स्वतंत्रता आंदोलन तीर्व हो गया । कार्यक्रम अध्यक्ष आर्य नेता सत्येन्द्र मोहन कुमार ने कहा कि मनुष्य का जीवन अच्छे कर्मों से मिलता है और हमे अपने कर्म आगे भी अच्छे रखने चाहिए स्वयं भी प्रसन्न रहें दूसरों को भी प्रसन्न रखें।सात्विक आहार, शाकाहार व व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाये। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि पंजाब केसरी लाला लाजपतराय अपने प्रखर विचारों और क्रांतिकारी प्रयासों से ब्रिटिश सरकार की चूलें हिला देने वाले व्यक्तित्व थे। योगाचार्य सौरभ गुप्ता ने कहा कि योग व व्यायाम शरद ऋतु में बहुत लाभदायक है इससे शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। हरियाणा सरकार के राज्य ओषधि नियंत्रक नरेन्द्र आहूजा विवेक ने लाला लाजपतराय जी की के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। विश्व हिंदू परिषद के नेता अशोक सिंघल व बाला साहेब ठाकरे को भी स्मरण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

महर्षि दयानंद के नाम गीत- संगीत सम्पन्न

समग्र क्रांति के अग्रदूत थे महर्षि दयानंद –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 15 नवम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में महर्षि दयानन्द सरस्वती के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में भव्य गीत संगीत का ऑनलाइन जूम व फेसबुक पेज पर लाइव प्रसारण किया गया। यह परिषद का कॅरोना काल में 120 वां वेबिनार था। युवा गायक अंकित उपाध्याय ने महर्षि दयानन्द सरस्वती को स्मरण करते हुए कहा कि वेद ज्ञान की टूटी हुई धारा को उन्होंने फिर से जोड़ा,देव दयानन्द ने जो आंदोलन चलाया उसके हम सभी अनुयायी है इस बात का हम सभी को गर्व होना चाहिए। उन्होंने ष्मेरे देवता के बराबर जहाँ में कोई देवता न कहीं और होगाष् अगर स्वामी दयानन्द न होता, वन्दे मातरम गाना होगा, जोत से जोत जलाते चलो जैसे गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि ईश्वर की वाणी वेद के माध्यम से मनुष्य अपना सर्वांगीण विकास कर सकता है। वेद मंत्रों के रहस्यों और इसमें छिपा विज्ञान पूरी मानव जाति के हितों में प्रयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद आज भी हमारे सच्चे गुरु बन कर हमारा मार्गप्रशस्त कर रहे हैं। उनके द्वारा रचित अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश को पढ़कर अपने विचारों को शुद्ध कर सकते है। महर्षि दयानंद महान क्रांतिकारी थे,उन्होंने समाज के हर क्षेत्र में आमूल चूल परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया । पाखण्ड अंधविश्वास, रूढ़िवाद,नारी शिक्षा, स्वतंत्रता आंदोलन हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वह समग्र क्रांति के अग्रदूत थे आज भी उनकी शिक्षाएं प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष आर्य नेता ओमप्रकाश गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए महर्षि दयानंद को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि वैदिक संस्कृति के माध्यम से हीं घर,परिवार,समाज व राष्ट्र की उन्नति हो सकती है। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि महर्षि दयानन्द के द्वारा बताए गए कल्याण मार्ग पर हम सभी को चलने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर सभी ने अपने अपने घरों से ऑनलाइन दीप प्रज्वलित कर ष्जोत से जोत जलाते चलोष् गीत पर महर्षि दयानन्द सरस्वती को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सुप्रसिद्ध गायिका संगीता आर्या गीत, पुष्पा चुघ,सुदेश आर्या, दीप्ति सपरा,नरेश खन्ना, बिन्दु मदान, रविन्द्र गुप्ता,किरण सहगल, विमला आहूजा आदि ने मधुर गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य रूप से नरेन्द्र आहूजा विवेक,अजय गर्ग,धर्मपाल आर्य,सुरेन्द्र शास्त्री,प्रेम सचदेवा, ईश आर्य,अमरनाथ बत्रा,सुनीता महाजन,नरेंद्र आर्य सुमन आदि उपस्थित थे।

137 वां महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस सम्पन्न

वेदों की उपासना का मार्ग ऋषि दयानन्द ने दिखाया–आचार्य प्राज्ञदेव शास्त्री

ओ३म् ध्वज के नीचे समस्त हिन्दू समाज संगठित हो–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुक्रवार 13 नवम्बर 2020,दीपावली के पावन पर्व पर केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में महर्षि दयानन्द सरस्वती का 137 वां बलिदान दिवस ऑनलाइन गूगल मीट पर आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि दीपावली के दिन 1883 को अजमेर में महर्षि दयानंद का बलिदान हुआ था।यह परिषद का कॅरोना काल मे 119वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य प्राज्ञदेव शास्त्री (बरेली) ने कहा कि आज दीपावली पर्व व महर्षि दयानन्द जी का बलिदान दिवस भी है। मृत्यु से कुछ दिन पूर्व महर्षि दयानन्द के जोधपुर में धर्म प्रचार से रूष्ट उनके विरोधियों ने उनको विष देकर व बाद में उनकी चिकित्सा में लापरवाही कर उनको स्वास्थ्य को ऐसी विषम स्थिति में पहुंचा दिया था जो उनके बलिदान का कारण बना।महर्षि दयानन्द के जीवन का मुख्य कार्य वेदों के ज्ञान को अर्जित करना और उसका देश देशान्तर में प्रचार करना था। वैदिक पथ पर चलकर ही मनुष्य

(शेष पृष्ठ 4 पर)

551वे प्रकाश पर्व पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

श्री गुरुनानक देव जी की शिक्षाएं मानवमात्र के लिए है – आचार्य अखिलेश्वर जी, हरिद्वार

सेवा, समर्पण, त्याग और बलिदान का संदेश देता है प्रकाश पर्व –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार 30 नवम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद व आर्य समाज अशोक विहार, फेज–1, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में श्री गुरु नानक देव जी के 551वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में ऑनलाइन गोष्ठी गूगल मीट पर आयोजित की गई। आचार्य अखिलेश्वर जी महाराज(आनन्द धाम हरिद्वार) ने बताया कि गुरु पर्व का सिख धर्म में बहुत ही महत्व है। हर साल कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि के दिन गुरु नानक जयंती मनाई जाती है।गुरु पूर्णिमा को हर्षोल्लास के साथ महापर्व के रूप में मनाया जाता है।कार्तिक पूर्णिमा के दिन सिख धर्म में श्रद्धा रखने वाले लोग सच्चे मन से मत्था टेकने गुरुद्वारे पहुंचते हैं और गुरु नानक देव जी को नमन करते हैं उनकी शिक्षाएं सारे समाज को जोड़ती है हमें भी सामाजिक समरसता के लिये कार्य करना चाहिए । केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि प्रकाश पर्व समाज को जोड़ने का संदेश देता है, सेवा व समर्पण की भावना सर्वोपरि है । अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा देता है यह वीरता का पर्याय है । कॅरोना काल में भी सिख बंधुओं ने सराहनीय सेवा की है। महर्षि दयानन्द और गुरु नानक देव जी दोनों एक ओंकार यानी कि ईश्वर को निराकार रूप में मानते थे। न्यूजीलैंड से हरीश सचदेवा ने कहा कि गुरु नानक देव अद्भुत समाज सुधारक, सिख पंथ के संस्थापक, भारत की समृद्ध संत परंपरा के अद्वितीय प्रतीक हैं।उन्होंने इक ओंकार की व्याख्या करते हुए कहा कि ईश्वर एक है उसके नाम अनेक हो सकते है लेकिन वो निराकार है। विशिष्ट अतिथि के रूप में सरदार हरभजन सिंह देओल ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने सभी को 3 सुनहरे नियमों का उपदेश दिया।नाम जपो– भगवान को याद करो और ध्यान करो।किरत करो– ईमानदारी से जीवनयापन करो, अपना कर्तव्य निभाओ।वंड छको– जो आपके पास है, उसे दूसरों को परोसें।आज उसे याद करें और हमारे जीवन में इसका पालन करें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि गुरु नानक देव की शिक्षाएं हमे प्राणी मात्र के प्रति प्रेम, सेवा भाव एवं सद्भावना रखने हेतु प्रेरित करती हैं। कार्यक्रम का कुशल संचालन आर्य समाज अशोक विहार फेस– 1 के प्रधान प्रेमकुमार सचदेवा ने किया व जीवनलाल आर्य व विक्रान्त चौधरी ने सभी का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। गायिका दीप्ति सपरा,विजय हंस,प्रतिभा सपरा,जनक अरोड़ा,रविन्द्र गुप्ता,सुदेश आर्या,कविता आर्या,मधु खेड़ा आदि ने भजनों के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य रुप से आचार्य महेन्द्र भाई, राजश्री यादव,विचित्रा वीर,बिन्दु मदान, रजनी गोयल, सौरभ गुप्ता आदि उपस्थित थे।

महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले की 130 वीं पुण्य तिथि पर गोष्ठी सम्पन्न

महिलाओं व दलितों के लिये महात्मा फुले का सराहनीय योगदान –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुक्रवार 27 नवम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले की 130 वीं पुण्य तिथि पर ऑनलाइन गोष्ठी गूगल मीट पर आयोजित की गई । यह परिषद का कॅरोना काल में 126वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महात्मा ज्योतीराव गोविंदराव फुले की 130 वीं पुण्य तिथि पर उनके समाज उत्थान के कार्यों को स्मरण करने का दिन है कि किस प्रकार विपरीत परिस्थितियों में भी समाज निर्माण का कार्य किया । वे एक भारतीय समाज सुधारक, समाज प्रबोधक, विचारक, समाजसेवी, लेखक, दार्शनिक तथा क्रान्तिकारी कार्यकर्ता थे। इन्हें महात्मा फुले एवं श्श्ज्योतीबा फुले के नाम से भी जाना जाता है।महिलाओं व दलितों के उत्थान के लिय इन्होंने अनेक कार्य किए। समाज के सभी वर्गो को शिक्षा प्रदान करने के ये प्रबल समर्थक थे। वे भारतीय समाज में प्रचलित जाति पर आधारित विभाजन और भेदभाव के विरुद्ध थे।उन्होंने विधवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए बहुत काम किया, इसके साथ ही किसानों की हालत सुधारने और उनके कल्याण के लिए भी काफी प्रयास किये। उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा के लिए कई विद्यालय भी खोले । आज उनके जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। कार्यक्रम अध्यक्ष आर्य नेत्री उषा मलिक ने कहा कि आज भी महिलाओं में शिक्षा की कमी दिखाई देती है इस कार्य को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुचाने की आवश्यकता है। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि स्त्रियों की दशा सुधारने और उनकी शिक्षा के लिए ज्योति राव फुले ने 1848 में एक स्कूल खोला। यह इस काम के लिए देश में पहला विद्यालय था। लड़कियों को पढ़ाने के लिए अध्यापिका नहीं मिली तो उन्होंने कुछ दिन स्वयं यह काम करके अपनी पत्नी सावित्री फुले को इस योग्य बना दिया। योगाचार्य सौरभ गुप्ता ने कहा कि दलित वर्ग में शिक्षा के प्रचार प्रसार की आवश्यकता है जिससे वह हर क्षेत्र में आगे बढ़ सके। आर्य नेत्री उर्मिला आर्या,राजश्री यादव,शोभा सेतिया ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

राष्ट्र निर्माण में हमारी भूमिका पर गोष्ठी सम्पन्न

देश के प्रति समर्पण की सोच रखे –आचार्या धर्मरक्षिता शास्त्री

राष्ट्रवाद राष्ट्र के प्रति निष्ठा का प्रतीक –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शनिवार, 21 नवम्बर 2020,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में राष्ट्र निर्माण में हमारी भूमिका पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट पर किया गया।यह परिषद का कोरोना काल में 123 वां वेबिनार था। वैदिक विदुषी आचार्या धर्मरक्षिता शास्त्री (गौरखपुर) ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती ने वेद मार्ग पर चलते हुए देश और समाज की उन्नति में योगदान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। महर्षि दयानंद के जीवन,आदर्शों और शिक्षाओं का अनुसरण कर हम सफल जीवन जी सकते हैं। नारी समाज के उत्थान का श्रेय महर्षि को जाता है।महर्षि दयानंद ने जिन उद्देश्यों को लेकर आर्य समाज की स्थापना की थी उनकी पूर्ति के लिए सभी को मिल कर काम करना चाहिए और जिस राष्ट्र ने हमें सब कुछ दिया उसके प्रति सदैव समर्पण भाव रहना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती ने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए लोगों को अन्याय के विरुद्ध लड़ना सिखाया।उन्होंने महिलाओं को शिक्षित करने का अधिकार दिलाया।महर्षि दयानन्द का अमर ग्रन्थ सत्यार्थ प्रकाश पढ़ कर हम जीवन के हर पहलु के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के वक्तस्व्य की कड़ी निंदा करते हुए दुर्भाग्यपूर्ण बताया कि उसकी राष्ट्र के प्रति कैसी सोच है।राष्ट्र सर्वोपरि है राष्ट्र रहेगा तो हम सब रहेगे ष राष्ट्रवादष राष्ट्र के प्रति त्याग,समर्पण व निष्ठा का प्रतीक है।राष्ट्रवादी भावना के कारण ही व्यक्ति बड़े से बड़ा बलिदान देने को तत्पर हो जाता है।कवि के शब्दों में 'फल खाए इस वृक्ष के गंदे कीन्हे पात,यही हमारा धर्म है, जल मरें इसी के साथ।' कार्यक्रम अध्यक्ष आर्य नेत्री अंजु बजाज ने महर्षि दयानन्द को नारी जाति का उद्धारकर्ता बताया और साथ ही सभी से नारी के सम्मान का संकल्प दिलवाया। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने वैदिक संस्कृति के अनुसार युवाओं को अपना जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित किया। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने युवाओं में देश भक्ति की भावना भरने के लिए देश भक्त क्रांतिकारियों की जीवनी पढ़ने को प्रेरित किया। गायक नताशा कुमार(बंगलोर), रविन्द्र गुप्ता,रजनी गोयल,जनक अरोड़ा,ईश्वर देवी (अलवर),विजय हंस,दीप्ति सपरा,शोभा सेतिया आदि ने मधुर गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य रुप से आनन्द प्रकाश आर्य, नरेन्द्र सोनी,प्रेमलता सरीन, अनिल सेठी,आनन्द सूरी,विजेन्द्र गर्ग,देवेन्द्र गुप्ता आदि उपस्थित थे।

जीवन में सफलता कैसे पाये? पर विचार गोष्ठी सम्पन्न

धर्मयुक्त कर्म, सत्य व सफलता की कामना से ही सफलता सम्भव –आचार्य उषर्बुद्ध (जयपुर)

दृढ़ निश्चय, संकल्प व पुरुषार्थ सफलता के लिए आवश्यक –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

वीरवार, 19 नवम्बर 2020,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में जीवन मे सफल कैसे हो? पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट पर किया गया।यह परिषद का कोरोना काल में 122वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य उषर्बुद्ध ने कहा कि यदि आपकी आत्मा सत्यता स्वीकार करते हुए चल रही है तो वह सखा के समान आपकी सहायता करेगी।जिस कार्य के लिए आत्मा ही कह रही है कि ये सही नही है तो वो सफलता का मार्ग नही हो सकता।वेद सत्य को सबसे बड़ा मानता है।मनुष्य को सफल तब कह सकते है जब सत्य,ऐश्वर्य, सम्पदा व चारों ओर यश हो।उन्होंने बताया कि सफलता वही प्राप्त कर सकते हैं जिनके मन मे कामना(सफलता) करने की इच्छा है।जिनके अन्दर कामना नही उन्हें सफलता नही मिल सकती,बुद्धि से मनन चिंतन करने वाले लोग,सफलता का अर्थ धर्म– युक्त कार्य करते हुए अपनी बुद्धि को गतिशील रखते हैं,उन्हें ही सफलता का मार्ग प्राप्त होता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज मनुष्य जीवन में व्यक्ति अपने सपनों को पूरा कर सफलता प्राप्त करना चाहता है। इस दौड़ में कुछ लोग सफलता प्राप्त कर आगे निकल जाते हैं वहीं कुछ लोगों को असफलता का मुंह देखना पड़ता है।यदि सकारात्मक रुप से देखा जाए तो असफलता से भी बहुत कुछ सीखा जा सकता है।सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे पहले कर्म करना आवश्यक है लोग कामना करते हैं कि ये कार्य हो किन्तु उसका प्रारंभ नही करते बिना कर्म के कोई फल नही मिलता।अपना कार्य स्वयं समय पर करने वाला व्यक्ति सफलता प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम अध्यक्ष के आर्य नेता हरिचंद स्नेही ने कहा कि परम पिता परमेश्वर के प्रति आस्था व समर्पण करने से हम सब को शक्ति प्राप्त होती है। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि अपने जीवन में हमेशा उसी चीज को हासिल करने का लक्ष्य रखें,जिसे करने में आपकी रुचि भी हो। योगाचार्य सौरभ गुप्ता ने कहा कि सफलता प्राप्त करने हेतु अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखना व समय का पालन करना अनिवार्य है। आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने कहा कि लोग क्या कहेंगे, मुझसे नही होगा, मेरा विचार नही है,मेरी किस्मत खराब है जो इस प्रकार के चिंतन करते है वो कभी सफल नही हो सकते। गायक रविन्द्र गुप्ता,रजनी गोयल, जनक अरोड़ा,प्रतिभा सपरा, उर्मिला आर्या, कृष्णा गाँधी, प्रतिभा कटारिया, दीप्ति सपरा आदि ने मधुर गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आचार्या महेन्द्र भाई,रघुनाथ आर्य (चंडीगढ़),आचार्य आनन्द पुरुषाथी (होशंगाबाद), पूरनचंद आर्य (रांची), अर्जुन देव दुरेजा (सोनीपत), अनिल सेठी, आनन्द सूरी (बंगलोर),विजेन्द्र गर्ग (हापुड़), देवेन्द्र गुप्ता (इंदिरापुरम), अर्जुन कालर ।(जयपुर) आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

192 वी जयंती पर रानी लक्ष्मी बाई को किया नमन

स्वतंत्रता संग्राम की नींव रानी लक्ष्मी बाई ने डाली थी –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बुधवार, 18 नवम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की नायक महारानी लक्ष्मीबाई की 192 वी जयंती परऑनलाइन गूगल मीट पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई । उनका जन्म 19 नवम्बर 1828 को वाराणसी में हुआ था । उनके बचपन का नाम मणिकर्णिका था ।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई ने स्वतंत्रता आंदोलन की नींव रखी और अंग्रेजी हकुमत के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल बजा दिया । आज की नारियों के लिए वह प्रेरणा का स्रोत्र है । अकेली महिला किस प्रकार बहादुरी से छक्के छुड़ा सकती है यह रानी लक्ष्मीबाई ने दिखा दिया । उनकी संकल्प शक्ति व संघर्ष क्षमता का कोई इतिहास में सानी नहीं मिलता । उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर देश की आजादी की रक्षा व आंतकवाद, अलगाव के मुकाबले का संकल्प लेने की आवश्यकता है। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि हम बचपन से ही झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के वीरता के किस्से सुनते हुए बड़े हुए हैं ष्बुंदेले हरबोलों के मुंह से हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थीष् आज नई पीढ़ी को ऐसी जीवनियाँ पढ़ाने की आवश्यकता है । प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि बहादुरी का इतिहास पढ़ाने से आने वाली पीढ़ी भी बहादुर बनेगी। एक्शन इंडिया समाचार पत्र के मुख्य सम्पादक राकेश भार्गव के निधन पर शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रमुख रूप से महेन्द्र भाई, डॉ आर के आर्य,आनन्द प्रकाश आर्य,यज्ञवीर चौहान, सुरेश आर्य,दीप्ति सपरा, ओम सपरा, देवेन्द्र गुप्ता, नरेश खन्ना, वीना वोहरा, चन्द्रकांता आर्या आदि उपस्थित थे।

(पृष्ठ 2 का शेष)

जीवन की उन्नति होकर जीवन के उद्देश्य व लक्ष्यों धर्म–अर्थ–काम– मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है। उन्होंने कहा कि वेदों का ज्ञान मानव मात्र के लिए है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द का बलिदान सदियों तक समाज का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा।महर्षि दयानन्द महान क्रांतिकारी थे, उन्होंने हजारों लोगों के जीवन को प्रकाशित किया।महर्षि दयानन्द ने सत्यार्थ प्रकाश नामक अमर ग्रन्थ मानव कल्याण हेतु लिखा।नारी जाति जो आज समाज निर्माण मे अपना योगदान दे रही है।उसके प्रणेता महर्षि दयानन्द सरस्वती ही रहे।महर्षि दयानन्द का जीवन सभी के लिए मार्गदर्शक व प्रेरणादायक है।आज देश की विषम परिस्थितियों में उनके आदर्श नई सोचने की शक्ति व दिशा दे सकते है।समस्त हिन्दू समाज का ओम की पावन पताका के नीचे संगठित होना समय की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि प्रदीप आर्य (प्रधान, आर्य समाज,अलवर) ने कहा कि महर्षि दयानन्द के बलिदान दिवस पर हम सभी को युवाओं को आर्य संस्कृति व वैदिक विचारधारा से जोड़ने का प्रयास करने का संकल्प लेना चाहिए।अनेक रोचक,शिक्षाप्रद,महापुरुषों की जयंतीध्बलिदान दिवस आदि के कार्यक्रम से युवाओं को जोड़ा जा सकता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष आर्य नेता अजय गर्ग,(प्रधान,आर्य समाज पानीपत) ने सभी का आभार व्यक्त किया और सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द के विचारों से प्रेरणा लेकर अनेकों व्यक्तित्व ने समाज व राष्ट्र के कार्यों में अपना सर्वस्व समर्पित कर अपना योगदान दिया। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि दीपावली के पावन पर्व पर सभी को मन के अंधकार जैसे तनाव,राग,द्वेष इत्यादि को दूर करने का संकल्प लेना चाहिए।जिससे ये त्यौहार का मनाना सार्थक हो सके। गायिका बिन्दु मदान,वीरेन्द्र आहूजा,ईश्वर देवी आर्या (अलवर),जनक अरोड़ा,रविन्द्र गुप्ता,प्रतिभा कटारिया आदि ने मधुर गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य रूप से आचार्य महेन्द्र भाई, देवेन्द्र गुप्ता,प्रकाशवीर शास्त्री, राजश्री यादव,संगीता आर्या, धर्मपाल आर्य,सुरेन्द्र शास्त्री आदि उपस्थित थे।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970